सं.: 1:05:138:II:सीएस
दिनांक: 12 जून, 2019

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड लिस्टिंग विभाग, एक्सचेंज प्लाजा, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पू), मुंबई-**400 051**	बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, कॉर्पोरेट सेवाएं विभाग, तल-25, पी. जे. टावर्स, दलाल स्ट्रीट, मुंबई-**400 001**

विषय: <u>सेबी (सूचीकरण बाध्यताएं एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियम 30 के अंतर्गत घोषणा – प्रेस रिलीज</u>

महोदय/महोदया,

हमारी दिनांक 06 जून, 2019 की सूचना के क्रम में, दिनांक 12 जून, 2019 की प्रेस रिलीज इसके साथ संलग्न है।

आपकी सूचनार्थ एवं रिकॉर्ड हेतु प्रस्तुत

धन्यवाद।

भवदीय,
कृते पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

(मनोहर बलवानी)
कंपनी सचिव
mb@pfcindia.com

संलग्न: यथोपरि।

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
POWER FINANCE CORPORATION LIMITED
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Govt. of India Undertaking)
(आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित) (ISO 9001:2015 Certified)

12.06.2019

प्रेस रिलीज

पीएफ़सी, सरकारी स्वामित्वाधीन एनबीएफ़सी है जिसने अंतरराष्ट्रीय बाज़ार को सफलतापूर्वक टैप किया और विनियम-एस (Reg-S) के माध्यम से एक बार में 1 बिलियन यूएस डॉलर जुटाए। यह आरईसी में भारत सरकार की शेयरधारिता के सफलतापूर्वक अधिग्रहण के बाद अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में पीएफ़सी का पहला निर्गमन (Issuance) था।

इस निर्गमन ने सुदृढ़ और विविधतापूर्ण ऑर्डर बुक आकर्षित की जो अस्थिर बाज़ार परिस्थितियों और भारतीय एनबीएफ़आई क्षेत्र की चिंताजनक स्थिति के बावजूद पीएफ़सी के अलग-अलग ऋणों के निमित्त निवेशकों के विश्वास का परिचायक है।

1 बिलियन यूएस डॉलर विनियम-एस लेन-देन (Transaction) दो ट्रांच में निष्पादित किया गया। 5 वर्ष यूएसटी से अधिक 195बीपीएस के पुनः प्रस्ताव (री-ऑफर) स्प्रेड पर 3.87% की दर से 400 मिलियन यूएस डॉलर के लिए 5 वर्ष ट्रांच और 10 वर्ष यूएसटी से अधिक 242.5 बीपीएस के पुनः प्रस्ताव (री-ऑफर) स्प्रेड पर 4.577% की दर से 600 मिलियन यूएस डॉलर के लिए 10 वर्ष ट्रांच।

इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, पीएफ़सी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री राजीव शर्मा ने बताया कि यह लेन-देन (Transaction) पीएफ़सी को भारत की अग्रणी एनबीएफ़आई के रूप में स्थापित करता है जिसने सरकारी स्वामित्वाधीन भारतीय एनबीएफ़सी के लिए अपने पहले दोहरे (Dual) और सबसे बड़े यूएस डॉलर बॉण्ड्स लेन-देन (Transaction) का मूल्यनिर्धारण किया। यह पांच वर्ष की अवधि में पीएफ़सी का पहला यूएस डॉलर निर्गमन भी है। इस सौदे (डील) का सफलतापूर्वक पूरा होना आरईसी के अधिग्रहण के बाद पीएफ़सी में निवेशकों के निरंतर विश्वास को सिद्ध करता है।

(एस एस राव)
अपर महाप्रबंधक (पीआर)